काशी हिन्दू विष्वविद्यालय

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय

प्रेस, प्रकाषन एवं प्रचार प्रकोश्ठ

दिनांक : 01-03-2013

प्रेस विज्ञप्ति

काषी हिन्दू विष्वविद्यालय : प्रगति की ओर अग्रसर

केन्द्रीय बजट में 100 करोड़ की अनुदान राषि घोशित

काषी हिन्दू विष्वविद्यालय वर्तमान समय की वैष्विक चुनौतियों का सामना करते हुए महामना के सपनों के अनुरूप निरन्तर विकास के पथ पर अग्रसर है, यहॉ आवष्यकता के अनुसार विकास के नित नवीन अध्याय का सृजन हो रहा है। **28 फरवरी, 2013 को घोशित केन्द्रीय बजट में बीएचयू को 100 करोड़ की राषि अनुदान स्वरूप दी गई है। इसके अतिरिक्त देष के तीन अन्य षैक्षणिक संस्थानों को भी अनुदान राषि देने की घोशणा की गई है।** षीघ्र ही भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से डंसअपलं ब्मदजतम वित भ्नउंद टंसनमे ंदक म्जीपबे तथा प्दजमतबनसजनतंस ैजनकल ब्मदजतम प्रारम्भ होंगे। इन दोनों केन्द्रों की आधारषिला विगत् 25 दिसम्बर 2012 को भारत के माननीय राश्ट्रपति जी ने रखी। विष्वविघालय ने विगत वर्शो में अनेक नये प्रतिमान स्थापित किये है और आज यह एक ग्लोबल यूनिवर्सिटी (ळसवइंस न्दपअमतेपजल) बनने की ओर अग्रसर है। विष्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस विष्वविद्यालय को न्दपअमतेपजल ूपजी च्वजमदजपंस वित म्ाबमससमदबम का दर्जा प्रदान किया है। वेब आफ साइंस तथा स्कोपस जैसे विज्ञान के अन्तराश्ट्रीय डाटाबेसेज के अनुसार काषी हिन्दू विष्वविद्यालय के षोध प्रकाषनों की संख्या देष के किसी भी अन्य विष्वविद्यालय की तुलना में सबसे अधिक है।

बारहवीं पंचवर्शीय योजना में एक विष्वस्तरीय ब्मदजतंसप्रमक प्देजतनउमदजंजपवद थ्ंबपसपजल के स्थापना की योजना बनाई गयी है, जिसमें मौलिक एंव व्यवहारिक विज्ञान के क्षेत्र में षोध करने के लिए आधुनिकतम उपकरण उपलब्ध होगें। बारहवीं पंच वर्शीय योजना में ब्वउचनजंजपवदंस ंदक प्ब्ज थ्ंबपसपजल के भी स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है। इन केन्द्रों के साथ साथ ही षिक्षकों के लिए आवासीय सुविधा और एक अर्न्तराश्ट्रीय स्तर के ब्वदअमदजपवद ब्मदजतम के लिए भवनों के निर्माण को उवदपजवत करने तथा उसके मगमबनजपवद आदि के लिए अलग अलग समितियों का गठन भी किया जा चुका है।

केन्द्रीय ग्रंथालय में 250 कम्प्यूटर युक्त एक वातानुकूलित अध्ययन कक्ष की सुविधा विद्यार्थियों के उपयोग के लिए उपलब्ध होगी इसका उद्घाटन 3 मार्च को कुलाधिपति डॉ0 कर्ण सिंह जी करेगें। इस ग्रंथालय के पीरियाडिकल हाल को भी नवीनीकृत कर पूरी तरह से आटोमेषन युक्त करने की योजना है। यह सभी सुविधाएं षीघ्र ही उपलब्ध हो जाएंगी और ग्रंथालय के इन सुविधाओं की उपलब्धता 24 घंटे रहेगी। विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास में खेल–कूद का भी उतना ही योगदान होता है जितना की अध्ययन का। अतः इस ओर भी प्रयास करते हुए खेल के मैदानों को नवीनीकृत कर एक बड़े क्रीड़ा–संकुल के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है जहॉ सभी प्रकार के खेलों के लिए सभी सुविधाएं एक जगह उपलब्ध हों। विगत कुछ माह में नवीन छात्रावासों का निर्माण किया गया और इनका लोकार्पण कर छात्रों के आवासीय सुविधा को बढ़ाया गया। आने वाले दिनों में विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा के लिए कोई कठिनाई न हो इसको ध्यान में रखते हुए बहुमंजिले छात्रावास प्रखण्डों को निर्मित करने की योजना है। अन्तर्राश्ट्रीय छात्रों और अध्यापकों के लिए 500 कमरों वाले एक अन्तर्राश्ट्रीय छात्रावास बनाने की योजना प्रारम्भ की जा चुकी है। बारहवीं पंचवर्शीय योजना के अन्तर्गत लगभग 3000 विद्यार्थियों के ठहरने एवं खान–पान की सुविधा एक ही जगह उपलब्ध कराने के लिए ळनमेज भ्वनेम दृबनउ. बंमिजमतपं ब्वउचसमग के निर्माण का भी प्रस्ताव रखा गया है। एक समिति का गठन विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य केन्द्र की सुविधाओं को परिवर्धित करने के लिए किया गया है जो बड़ी तेजी से इस दिषा में कार्य कर रही है। एक दूसरी समिति 10000 व्यक्तियों की क्षमता वाले एक कन्वेन्षन सेंटर की स्थापना के लिए कार्यरत है। इस प्रकार के सभी प्रयास अपने विद्यार्थियों, अघ्यापकों, व कर्मचारियों के लिए विष्वस्तरीय सुविधा प्रदान करने के लिए किया जा रहा है।

यह भी प्रयास है कि विष्वविद्यालय परिसर महिलाओं के लिए भयमुक्त परिसर सिद्ध हो जहां हर रूप में महिलाओं का सम्मान हो। ग्रंथालय में निर्मित किए जा रहे 24 घंटे खुले रहने वाले अध्ययन कक्ष का लाभ छात्राएं भी समान रूप से उठा सकें और देर रात तक प्रयोगषालाओं में भी समान रूप से कार्य करने में छात्राएं न हिचकें ऐसी व्यवस्था प्रदान करना हमारा लक्ष्य है। विष्वविद्यालय षीघ्र ही देर रात तक प्रयोगषालाओं या ग्रंथालय में कार्य करने वाली छात्राओं को उनके हास्टल तक सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था भी प्रदान करने जा रहा है।

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर को बहुत तेजी से विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। दक्षिणी परिसर में स्वच्छ पेय जल की उपलब्धता एक सबसे बड़ी समस्या थी परन्तु तीन माह पूर्व एक वृहत स्वच्छ जल संयंत्र की स्थापना कर इस समस्या का समाधान कर लिया गया है। इस सत्र से कृशि विज्ञान में स्नातक उपाधि के एक नए पाठ्यक्रम को भी प्रारम्भ किया गया है। आने वाले समय में ऐसे ही अन्य उपयोगी पाठ्क्रमों को प्रारम्भ करने की योजना मूर्त रूप लेने की ओर है। षीघ्र ही इस परिसर में एक दुग्ध आधारित खाद्य संसाधन इकाई की स्थापना की योजना विचाराधीन है।

दक्षिणी परिसर में फैकल्टी ऑफ वेटेनरी साइंसेज आगामी सत्र से आरम्भ होगी। यहॉ इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रायबल एण्ड जिनोमिक मेडिसीन स्थापित कर देषज एवं परम्परागत जड़ी–बूटियों पर षोध किया जायेगा।

23 जनवरी 2012 को नवनिर्मित ट्रामा सेण्टर परिसर में ठवदम डंततवू ज्तंदेचसंदज –ैजमउ ब्मसस त्मेमंतबी ब्मदजतम की आधारषिला रखी गयी। एक से डेढ़ वर्श में यह केन्द्र पूरी तरह से कार्य करने लगेगा। यह केन्द्र ह्रदय सम्बन्धी रोगों, मांसपेषियों के दुःसाघ्य रोगों, स्पाइनल कार्ड इन्जरी, डैमेज्ड लिवर रिजेन्रेषन एवं कैंसर जैसे रोगों के इलाज में बहुत ही सहायक होगा। चिकित्सा विज्ञान संस्थान के अन्तर्गत बहु मंजिला भवन बनाये जाने का प्रस्ताव है जिसमें सुपर स्पेषलिटी से सम्बन्धित विभाग संचालित किये जायेंगे। गुड लेबोरेटरी प्रेक्टिस (जीएलपी) पर आधारित उत्कृश्ट एनिमल हाउस बनेगा, जिसमें प्रयोग करने के लिए सभी प्रकार के एनिमल तैयार किए जाएंगे। इस एनिमल हाउस के माध्यम से बीएचयू के साथ–साथ आवष्यकतानुसार बाहर की प्रयोगषालाओं हेतु भी एनिमल की आपूर्ति की जाएगी। चिकित्सा विज्ञान संस्थान में दो नए विभाग डिपार्टमेण्ट ऑफ इमरजेन्सी मेडिसीन एवं डिपार्टमेण्ट ऑफ जिरियाटिक मेडिसीन सृजित किए जाएंगे। नवनिर्मित ट्रामा सेण्टर में दो कैण्टीन (एक मरीजों के परिजनों तथा दूसरी कर्मचारियों के लिए) निर्मित होगी, ट्रामा सेण्टर के निकट बहुमंजिल पार्किंग स्थल बनाया जाएगा जिसके उपर सामुदायिक भवन बनेगा जिसमें मरीजों के परिजन रहेंगे। सर सुन्दर लाल अस्पताल में जन औशधीय केन्द्र बनाया जाएगा जहॉ बाजार से एक चौथाई मूल्य पर सस्ती औशधि उपलब्ध होगी।

सर्व सुविधा युक्त पॉच मंजिला बालरोग विभाग के भवन का कार्य निर्माणाधीन है। सर सुन्दर लाल चिकित्सालय में पृथक से कैंसर चिकित्सालय षीघ्र निर्मित होगा। सर सुन्दर लाल चिकित्सालय में ब्लड बैंक का नवीनीकरण हो रहा है। नेत्र प्रत्यारोपण एवं गुर्दा प्रत्यारोपण कार्य को आधुनिकीकृत एवं नवीनीकृत किया जा रहा है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरषिप माडल पर 100 बिस्तरों वाले प्राइवेट वार्ड के निर्माण का कार्य प्रस्तावित है। इन प्रयासों के द्वारा सर सुन्दर लाल चिकित्सालय में नवीनतम सुविधाओं को उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है जिससे कि इस क्षेत्र के लोगो को समुचित एवं सर्वोत्कृश्ट चिकित्सा सेवा प्रदान की जा सके। पिछले वर्श से हृदय रोग विभाग मे आम लोगो के लिए एंजियोप्लास्टी की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। चिकित्सालय के बेसमेन्ट में 'आश्रय' नामक एक आवसीय सुविधा का सृजन किया गया है, जिसका उपयोग चिकित्सालय में आने वाले रोगियों के परिजनों को ठहराने के लिए किया गया है। इसके अतिरिक्त तीन मंजिला आकस्मिक प्रखण्ड (कैजुअल्टी ब्लाक) बनाया जा रहा है।

जैव विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे आधुनिकतम विकास एवं षोधों ने चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में प्रचलित प्रथाओं को बदलने के लिए एक सर्वोत्कृश्ट अवसर उत्पन्न किया

है। इन आधुनिकतम प्रविधियों का समुचित उपयोग करने के लिए समकालीन मानकों के अनुरूप एक प्देजपजनजम वि ज्तंदेसंजपवदंस त्मेमंतबी स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह संस्थान चिकित्सकों को निदान तथा इलाज के बेहतर अवसरों को उपलब्ध करायेगा। काषी हिन्दू विष्वविघालय इस तरह के संस्थान के लिए सबसे उपयुक्त जगह है, क्योंकि यहाँ बायोमेडिकल रिसर्च की अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ ही रोगियों की सेवा प्रदान करने वाला एक बड़ा चिकित्सालय भी उपलब्ध है।

चेयरमैन

सर सुन्दर लाल चिकित्सालय में पूर्ण किए गए कार्यों की सूची :

- आधुनिक एवं नवीनीकृत फिजियोथिरैपी इकाई का षुभारम्भ दिनांक 28–09–2011
- एड्स के मरीजों के बेहतर इलाज की दृश्टि से उच्चीकृत एआरटी सेण्टर का प्रारम्भ दिनांक 21–12–2011
- चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर स्वागत एवं पूछताछ कक्ष की स्थापना दिनांक 28'01–2012
- दस षैय्या वाला ब्रेनस्ट्रोक कक्ष की स्थापना दिनांक 28–01–2012

- गुर्दा रोग विभाग में हीमोडायलिसिस सेवा का विस्तार दिनांक 28–01–2012
- चतुर्थ तल पर पृथक हेड इंजरी वार्ड की स्थापना दिनांक 28–01–2012
- लिक्विड आक्सीजन टैंक की स्थापना दिनांक 28–01–2012
- मेडिसीन विभाग के एसीयू का उद्घाटन 26–04–2012
- जिरियाट्रिक अस्पताल भवन भूमिपूजन (षिलान्यास) 26–04–2012
- केरला आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र का लोकार्पण दिनांक 01–07–2012
- 750 केवीए जेनरेटर का लोकार्पण दिनांक 01–07–2012
- पेड क्लिनिक का षुभारम्भ दिनांक 01–07–2012
- नए आपात चिकित्सा कक्ष का षिलान्यास दिनांक 19–07–2012
- कार्डियो–थोरेसिक आसीयू का लोकार्पण दिनांक 19–07–2012
- नेत्र रोग विभाग वार्ड (नवीनीकृत) 10–10–2012
- आश्रय का उद्घाटन दिनांक 03–01–2013
- नवीनीकृत पुराना प्रषासनिक प्रखण्ड दिनांक 03–01–2013
- चेस्ट वार्ड में हाई डिपेडेन्सी यूनिट का उद्घाटन दिनांक 03–01–2013
- लीनियर एक्स्लरेटर (रेडियोथिरेपी) का षिलान्यास ।